

NCERT SOLUTIONS FOR CLASS 6TH SANSKRIT : CHAPTER 9



अङ्गुलीयकं प्राप्तम्

(अँगूठी प्राप्त हुई।)

(पञ्चमी-षष्ठी विभक्ति 'से')

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में अकारांत शब्द के पञ्चमी तथा पष्टी विभिन्न के रूप का प्रयोग किया गया है। (i) पञ्चमी विभिन्न 'से' (अलग) के अर्थ में प्रयुक्त होती है $\mathbf{z} = \mathbf{z} = \mathbf{z}$ प्रयान <u>बुशात</u> (बृश्चात् = बृश्च से—from the tree) पत्रं पति। (ii) पष्टी का प्रयोग 'का, के, की' के अर्थ में होता है। $\mathbf{z} = \mathbf{z} = \mathbf{z}$ प्रयोग 'का, के, की' के अर्थ में होता है। $\mathbf{z} = \mathbf{z} = \mathbf{z}$

पाठ - शब्दार्थ एवं सरलार्थ

(क) (ततः प्रविशन्ति नागरिकः श्यालः बुद्धं पुरुषम् आदाय रक्षकौ च)
रक्षकौ – (ताडनस्य अभिनयं कृत्वा) अरे कुम्भीलकः। कथय, कुत्र त्वया एतत्
राजकीयम् अङ्कुलीयकं प्राप्तम्? एतस्मिन् तु राज्ञः नाम उत्कीर्णं विद्यते।
बद्धपुरुषः – (भयस्य अभिनयं कृत्वा) भवन्तः प्रसीद्तु। अहं न ईदृशः कर्मकरः।
जानुकः – कि शोभनः ब्राह्मणः इति मत्वा राजा तुभ्यं दानं दत्तवान्?

शब्दार्था: (Word Meanings): तत:-उसके बाद (after that). श्याल:-(राजा का) साला, brother in law (king's), बुद्धम्-वंधे हुए को (bound/chained), आदाय-लंकर (taking), रक्षको-दो सिपाही (two guards), ताडनस्य-पीटने का (of beating), कृत्या-करके (doing/having done), कृम्मीलक-गाली स्वक शब्द (abusive word), कश्यय-कहो (tell), राजकीयम्-राजा की/राजकीय (royal), उत्कीर्ण-खुदा हुआ (inscribed), विद्यते-हे (is), भवन्त:-आप लोग (you people), प्रसीदन्तु-प्रसन होइए (please), इंदुश:-ऐसा (of this kind/type), कर्मकर:-काम करने वाला (worker), मत्वा-मानकर, सोचकर (thinking), बत्तवान्-दिया (gave)।

सरलार्थः

(तब प्रवेश करते हैं—नागरिक, राजा का साला और वैधे हुए पुरुष को लेकर दो सिपाही।)
सिपाही

— (पीटने का अभिनय करके) और नीच। बोलो कहाँ मिली तुम्हें यह राजा की अँगुठी। इस पर तो राजा का नाम खुदा हुआ है।

बुद्धपुरुष

— (भय का अभिनय करकें) आप लोग प्रसन्न होइए। मैं इस प्रकार का काम करने वाला नहीं हूँ।

☐ △arnCBSE.in

- क्या एक अच्छा ब्राह्मण समझकर राजा ने तुम्हें दान दे दिया?

English Translation:

Then enter the brother in law of the king—the chief of police and two guards leading a person tied in chain.

- (Acting as though beating) O pickpocket, tell us where did you find the royal ring? (Where was the royal ring found by you?) The king's name is also engraved on this.

- (Acting as though afraid) Please sir, I am not such a worker, Januka - Did the king give it to you thinking you an excellent Brahmin.

(ख) बुद्धपुरुष: - शृणुत इदानीम्। अहं शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी धीवर: अस्मि।

 भूती! किम् अस्माभिः तव जातिः पृष्टा? सचकः

स्चक! सर्वं क्रमेण कथयतु। एनं मध्ये मा निवारय।

रक्षकी यथा भवान् आज्ञापयति।

बुद्धपुरुषः - अहं मत्सविक्रयेण कुटुम्बस्य भरणं करोमि। (विहस्य) विशुद्धं तव आजीविकायाः साधनम्।

शब्दार्थाः (Word Meanings): शृणुत-सुनो (तुम लोग) (listen), इंदानीम्-अब (now), तीर्थस्य-तीर्थं का (of tirtha, a holy place), धीवर:-मलुआरा (fisherman), अस्मि-हूँ (am), धूर्तः-धूर्त (wicked), अस्माभि:-हमारे द्वारा (by us), पृष्टा-पूछी गई, (asked), क्रमेण-क्रम से (in order), कथयतु-कहने दो (let him say), मा निवारय-मत रोको (dont stop), आज्ञापयति-आज्ञा देता है (to order), मतस्यविक्रयेण-मछली बेचने से (by selling fish), कुटुम्बस्य-परिवार का (of the family), भरणं करोमि-पालन पोषण करता हैं (to nurture), विहस्य-मुस्कुराकर (smiling), आजीविकाया:-आजीविका का (of livelihood)।

 अब सुनो, मैं शक्रावतार तीर्थ का निवासी मछुआरा हूँ। बुद्धपुरुष

 धूर्त (मूर्ख), क्या हमने तुम्हारी जाति पूछी? (क्या हमारे द्वारा तुम्हारी जाति पूछी सुचक गई?)

राजा का साला- सूचक, इसे सब कुछ क्रम से कहने दो। इसे बीच में मत रोको।

जैसी आपको आज्ञा। (जैसे आप आज्ञा करते हैं) बुद्धपुरुष मैं मछली बेचकर परिवार का पालन पोषण करता हैं।

राजा का साला-(थोड़ा हँसकर) तुम्हारी आजीविका का साधन तो बिलकुल शुद्ध है।

English Translation:

Now listen. I am a resident fisherman of Shakrayatar Tirtha. - You fool, did we ask you your social status? (Was your social

status asked by us?)

श्याल:

LearnCBSE.in

Brother in- Suchaka, let him tell everything in the order. Do not stop him in law (King's) the middle.

Guards - As you command.

Person - I look after (nurture) my family by selling fish. Brother in-(Smiling) Your means of livelihood is really clean. law (King's)

(ग) **बुद्धपुरुष:** – एकस्मिन् दिवसे मया रोहितमत्स्य: खण्डश: कृत:। तस्य उदरस्य अभ्यंतरे मया इदं रत्नशोभितम् अङ्गुलीयकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आगमवृत्तान्त:। पश्चात् तस्य विक्रयायँ आगतः अहम् आभ्यां गृहीतः।

इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुञ्चत वा। जानुक! अस्य शरीरात् मांसस्य गंधः निःसरित। अतः निःसंशयम् अयं मत्स्यमारकः एव। परंतु अस्य अङ्गलीयकं प्राप्तिः विचारणीया। राजकुलं

शब्दार्थाः (Word Meanings): एकस्मिन् दिवसे-एक दिन (one day), रोहितमत्स्यः रोहित मछली Rohit fish (species of a fish), खण्डशः कृतः-टुकडे किए (cut into pieces), उदरस्य-पेट के (of stomach), अभ्यन्तरे-अंदर (inside), अयम् (पु०) यह (this), आगमवृत्तान्त:-प्राप्ति की सूचना (information of arrival (This is how, I found it)), विक्रयाय-बेचने के लिए (for selling), आगत:-आया हुआ (having come), आभ्यां-इन दोनों के द्वारा (by these two), इवम (नप्०) श्रत्वा-यह सनकर (hearing this/having heard), मां मारयत-मुझे मार डालो (kill me), मुच्चत वा-या छोड़ दो (let me go), शरीरात्-शरीर से (from the body), निःसरति-निकल रही है (is coming out), विचारणीया-

विचार करने योग्य (needs discussion), तत्रैव (तत्र + एव)-वहीं (over there only)।

गच्छाम:। तत्रैव अस्य निर्णय: भविष्यति।

सरलार्थ :

एक दिन मेरे दुवारा एक रोहित मछली के टुकड़े किए गए। उसके पेट के अंदर मेरे दवारा यह रत्नजडित आँगुठी प्राप्त की गई। यह इसके आने की कथा है। बाद में इसे बेचने के लिए मैं यहाँ आया और इन दोनों के दुवारा पकड़ा गया। यह सुनकर (तुम लोग) मुझे मारो या छोड़ दो।

राजा का साला- जानुक, इसके शरीर से मांस की गंध आ रही है। अत: यह बिना किसी संशय के मछली मारने वाला ही है। किंतु इसकी अँगूठी की प्राप्ति विचार करने की बात है। (अर्थात् सोचने की बात यह है कि इसे अँगूठी कैसे मिली) राजकुल चलते हैं। वहीं इसका फैसला होगा।

English Translation:

 $-\,$ One day a Rohit fish was cut into pieces by me. Inside its stomach this gem studded ring was found. This is the story of its finding.

After that I came here to sell it and was captured by these two (guards). Having heard this you may kill me or let me go.

Brother in-Januka, the smell of fish is coming from his body. Therefore he law (King's) is undoubtedly a fish-killer. But his finding/getting the ring is a matter of discussion (probing). We go to the king's court. This matter will be decided only there.

हमने सीखा

पञ्चमी विभक्ति —	शरीरात्	शरीराभ्याम्	शरीरेभ्य:	_	अकारांत
षष्ठी विभक्ति –	शरीरस्य	शरीरयो:	शरीराणाम्	-	अकारांत
	मांसस्य	मांसयो:	मांसानाम्	-	अकारांत
	आजीविकाया•	आजीविक्स्यो :	शाजीतिकावण		भाकामांच

- • अभ्यास: (Exercise) •

1. उच्चारण कुरुत-	(उच्चारण काजिए- Pronounce	e these words.)	
पञ्चमी-विभक्ति			
पुँल्लिङ्गः	मोदकात्	मोदकाभ्याम्	मोदकेश्य:
स्त्रीतिङ्गः	मालाया:	मालाभ्याम्	मालाभ्य:
नपुसकलिङ्गः	चित्रात्	चित्राभ्याम्	चित्रेभ्य:
षष्ठी-विभक्ति			
पुँल्लिङ्गः	नरस्य	नरयो:	नराणाम्
स्त्रीलिङ्गः	छात्राया:	छात्रयो:	छात्राणाम्
नपुंसकलिङ्गः	पत्रस्य	पत्रयो:	पत्राणाम्

उत्तरम्- छात्र स्वयं उच्चारण करें।

प्रश्न: 2, निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत- (निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- Answer the following questions.)

- (क) प्रस्तुतपाठस्य कथा कस्मात् ग्रन्थात् उद्धृता?
- (ख) अस्याः कथायाः रचयिता कः?
- (ग) धीवर: केन उपायेन परिवारस्य भरणं करोति स्म?
- (घ) धीवरेण किं प्राप्तम्?
- (ङ) शक्रावतारस्य तीर्थस्य निवासी क: आसीत्?
- उत्तरम् (क) प्रस्तुत पाठस्य कथा अभिज्ञान-शाकुंतलम् नाम नाटकात् उद्घृता।
 - (ख) अस्याः कथायाः रचयिता कवि कालिदासः।
 - (ग) धीवर: मत्स्यविक्रयेण परिवारस्य भरणं करोति स्म।
 - (घ) धीवरेण एकं रत्नजटितम् अङ्गलीकयम् प्राप्तम्। 🕡
 - (४) भावरण एक स्टाजाकर अनुसार में स्वासी धीवस आसीत्। (ङ) शक्रावतास्य तीर्थस्य निवासी धीवस आसीत्। Learn CBSE.in
 - ∰ संस्कृत–VI —

प्रश्नः 3. निम्नलिखितेभ्यः पदेभ्यः भिन्नप्रकृतिकं पदं चिनुत- (निम्नलिखित पदों से भिन्न प्रकृति का

पद चुनिए- Pick out the odd word from those given below.)

- (क) विहस्य, भयस्य, शक्रावतारस्य, कुटुम्बस्य।
- (ख) दत्त:, राज्ञ:, कृत:, गृहीत:।
- (ग) प्रविशति, नि:सरति, आज्ञापयति, जाति:।
- (घ) निवारय, कथय, आदाय, शृणुत।
- (ङ) श्रुत्वा, ताडियत्वा, पृष्टा, कृत्वा।
- उत्तरम् (क) विहस्य (ख) राज्ञः (ग) जातिः (घ) आदाय (ङ) पृष्टा।

प्रश्नः 4. कोष्ठकात् उचितं पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरवत— (कोष्ठक से उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए— Fill in the blanks by picking out the appropriate word from the box.)

(क) सुधा """ धनम् आनयति। (कोषात्/कोषेण) (ख) गङ्गा """ प्रभवति। (हिमालयस्य/हिमालयात्) (ग) आभूषणं विद्या। (नरात्/नरस्य) (घ) जलं निर्मलम्। (अलकनन्दायाः/अलकनन्दया) (ङ) जनसंख्या। (नगरम्/नगरस्य)

उत्तरम् - (क) कोषात्, (ख) हिमालयात्, (ग) नगरस्य, (घ) अलकनन्दायाः, (ङ) नगरस्य।

प्रश्नः 5. अधोलिखितं वृत्तचित्रं पश्यत। उदाहरणानु<mark>सारे</mark>ण कोष्ठकगतैः शब्दैः उचितवाक्यानि रचयत— (निम्नलिखित वृत्तचित्र देखिए और उदाहरणानुसार दिए गए शब्दों से उचित वाक्य बनाइए- Look at the circle given below and frame meaningful sentences with words in boxes as per the example.)



यथा- १. छात्रा वृक्षात् (वृक्ष) फलानि बोटयविष्टण CBSE in

	2.				
	3.			····I	
	4.		***************************************	1	
	5.				
	6.				
	7. 8.	il			
उत्तरम्-		प्राचार्यात् पुरस्कारं प्राप्नोति।			
		गृहात् विद्यालयम् आगच्छति	n .		
		पुस्तकालयात् पुस्तकानि आन	यति।		
		कूपात् जलं नयति।	- .		
		आपणात् क्रीडानकानि क्रीणा शिक्षकात् पुस्तकानि स्वीकरो			
		वनात् काष्ठानि आनयति।	IMI.		
प्रजन- ८		वृष्ट्वा कोष्ठकगतशब्देषु र	रचितां तिथति	न प्रयुक्त नान्धानि ।	प्रस्त (चित्रों को
A		त्रेष्ट्या साउसा सार्या तोष्टक में दिए गए शब्दों में उ			
	pictures	and complete the sent			
	the wor	ds given in brackets.)			
				OD.	A.
		- modes			<i>19</i>
	0.002 K				2)
	00				
			<u> </u>		160 m.
	मत्स्याः	बहि: आ	गच्छन्ति।	नृप:	पति।
	(तडाग)			(अश्व)	
	P.				•
	12				- !
					1
				4.7 4.2/	
		निर्गच्छति।			जलं पतित।
	(बिल)			(मेघ)	
103					
	संस्कत−\	/1	Learn	CBSE.in	
	संस्कृत–∖	/1	Learn	CBSE.in	
	संस्कृत–\	/1 ————	Learn	OBSE.in	
	संस्कृत–∨		Learn	CBSE.in	
.,,,	संस्कृत−V		Learn	CBSE.in_	
.,-	संस्कृत-V		Learn		
	संस्कृत-\		<u>Learn(</u>		र्गित। (वृक्ष)
	संस्कृत-\		Learn(र्गन्त। (वृक्ष)
	संस्कृत-\		Learn		र्गिता (चृक्ष)
उत्तरम-				पत्राणि पत	
उत्तरम्-		गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि	 अलात्, (ध) मे	पत्राणि पर घात् अथवा मेघेभ्यः, (
उत्तरम्-		गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि		पत्राणि पर घात् अथवा मेघेभ्यः, (
	(क) तडा	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः	बलात्, (घ) मे क्त-अध्या स	पत्राणि पर सात् अथवा मेघेघ्यः, (ङ) वृक्षात्।
	्री (क) तडा नाट्यांश	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पटत अधोवतान् प्रश्नान्	बलात्, (घ) मे क्त-अभ्यास् च उत्तरत। (न	यत्राणि पत् बात् अथवा मेघेप्यः, (दियां पहिए और नि	ङ) वृक्षात्। ज्ञानिस्तित प्रश्नों के
	क) तडा नाट्यांश उत्तर दे	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पटत अधोवत्तान् प्रश्नान् विग्– Read the extract	मलात्, (घ) मे कत्-अभ्यार च उत्तरत। (⁻ and answer	यत्राणि पत यात् अथवा मेघेप्यः, (दियांश पहिए और निः the following que:	ङ) वृक्षात्। म्निलखित प्रश्नों के stions.)
	नाट्यांश उत्तर र्द एकस्मिन	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विग्– Read the extract न् दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख	मलात्, (घ) में इत-अभ्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डश: कृतः। त	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
	नाट्यांश उत्तर दें एकस्मिन अहुलीय	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पटत अधोवत्तान् प्रश्नान् विग्– Read the extract	मलात्, (ध) में च उत्तरत। (= and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश्	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1)	नाट्यांश् उत्तर दं एकस्मिन अङ्गलीय गृहोतः।	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि आतिरिः तं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् तिचए— Read the extract नृ दिवसे मया रोहितमस्यः ख क्रिं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा पुठ	मलात्, (ध) में च उत्तरत। (= and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश्	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
	नाट्यांश् उत्तर दं एकस्मिन अङ्गलीय गृहीतः। एकपदेन	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् ोविय— Read the extract न् दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख ग्लं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुञ् न उत्तरत—	मलात्, (ध) में च उत्तरत। (= and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश्	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1)	नाट्यांश् उत्तर दं एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदेर- (i)	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विजय- Read the extract वृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख कं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव न उत्तरत— क: खण्डश: कृत:?	मलात्, (घ) में क्ता-अभ्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पर चत वा।	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1)	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (i)	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विजय- Read the extract वृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख कं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुक् न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? करय अभ्यन्तरं अङ्गुलीयकं ऽ	मलात्, (घ) में क्ता-अभ्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पर चत वा।	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1) I.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (i) पूर्णवाव	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विजय- Read the extract वृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख कं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव न उत्तरत— क: खण्डश: कृत:?	मलात्, (घ) में क्ता-अभ्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पर चत वा।	यत्राणि पर यात् अथवा मेघेप्यः, (हिं स्थार्थश पहिए और निः the following que: स्य डदस्स्य अध्यत्तरे म्	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1) I.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मिन अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदेन (ii) पूर्णवाव धीवरःः भाषिक	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् तिचार— Read the extract तृ दिवसे मया रोहितमत्त्रयः ख वकं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र योग उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः?	बलात्, (घ) मे क्रत-अभ्यार च उत्तरता (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतानः। पर चत वा।	प्रत्राणि पर यात् अथवा मेघेम्यः, (ह्यांश पढ्छि और नि the following que स्य डदरस्य अभ्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ	ङ) वृक्षात्। म्नलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम्
(1) I. II. III.	नाट्यांश उत्तर र्द एकस्मिन अङ्गुलीय एकपदेन (i) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं रि	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् रिवय— Read the extract न् दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख र्क् प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा पुठ न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? करय अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र रोन उत्तरत— कस्य क्रमयन आगतः? -कार्यम्— चेत्वा लिखव। (1) वर्धः	मलात्, (घ) में च उत्तरता (र च उत्तरता (र and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतानः। पर चत वा।	पत्राणि पत् यात् अथवा मेघेष्यः, (ह्यांश पहिए और निः the following que: स्य ददस्य अध्यन्तरे ह चात् तस्य चिक्रयाय अ	ङ) वृक्षात्। म्निलिखित प्रश्नों के stions.) त्या इदं रत्नशोभितम् गात: अहम् आभ्यां
(1) I. II. III.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गलीय गृहीतः। एकपदे- (ii) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं रि	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् तिवार Read the extract तृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः खालं प्रात्ताम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव् न उत्तरत— कः खण्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरतः— कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरतः— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चेत्वा लिखत। (i) बद्धः रोहितमत्त्यः (ii) उद्रस्य,	मलात्, (घ) में च उत्तरता (र च उत्तरता (र and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतानः। पर चत वा।	पत्राणि पत् यात् अथवा मेघेष्यः, (ह्यांश पहिए और निः the following que: स्य ददस्य अध्यन्तरे ह चात् तस्य चिक्रयाय अ	ङ) वृक्षात्। म्निलिखित प्रश्नों के stions.) त्या इदं रत्नशोभितम् गात: अहम् आभ्यां
(1) І. ІІ. ІІІ.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मिन अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदेन (ii) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं नि	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गंविय— Read the extract नृ दिवसे मया रोहितमस्यः ख क्रं श्रुत्वा मां मारयत वा पुठ न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? करम्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चल्वा लिखत। (i) वद्धः रोहितमस्स्यः (ii) उद्दरस्य,) निरुद्धः (ii) दिवसे	मलात्, (घ) में च उत्तरता (र and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश् चत वा। गप्तम्?	यात् अथवा मेघेप्यः, (हात् अथवा मेघेप्यः, (हात्याश पिढ्ए और निः the following que: स्य उदरस्य अभ्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ (ii) दिने	ङ) वृक्षात्। म्निलिखित प्रश्नों के stions.) त्या इदं रत्नशोभितम् ॥गतः अहम् आभ्यां
(1) I. II. III.	नाट्यांश उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (ii) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं नि - 'I. (i) HI. (i	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गंजिए— Read the extract न् विवसे मया गेहितमत्त्यः ख कं प्राप्ताम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव् न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्मा उत्तरत— कस्य क्षत्रयाय आगतः? च्ला लिखत। (i) वद्धः गेहितमत्त्यः (ii) उद्दरस्य, हो निरुद्धः (ii) दिवसे गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान्	अलात्, (घ) में क्ता-अभ्यार च उत्तरत। (= and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश् चत वा। प्राप्तम्?	पत्राणि पत् सात् अथवा मेघेभ्यः, (ह्यांश पिंहए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म चात् तस्य विक्रयाय अ (ii) दिने गाट्यांश पिंहए और नि	ङ) वृक्षात्। निलिखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् गात: अहम् आध्यां व विक्रयाय आगत:।, प्निलिखित प्रश्नों के
(1) І. ІІ. ІІІ.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (ii) पूर्णवाव थीवरः भाषिक भाषिक गर्यां रि - I. (i) HI. (i नाट्यांश्	गात, (ख) अश्वात, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विजिए— Read the extract न् दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख कं प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव् न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र स्पेन उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चत्वा लिखत। (i) वद्धः रोहितमत्त्यः (ii) उद्दरस्य, ो निरुद्धः (ii) दिवसे गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञए— Read the extract	स्तात्, (घ) में कत-अश्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतान्तः। पश् चत वा। । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	पत्राणि पत् पत्रात् अथवा मेघेभ्यः, (हाः ग्रित्याश पिढ्ए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ शोपितस्य अङ्गुलीयकस्य ग्रिट्यांश पिढ्ए और निः the following ques	ङ) वृक्षात्। जिल्लाखित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् गात: अहम् आध्यां व विक्रयाय आगत:।, प्नातिखित प्रश्नों के stions.)
(1) І. ІІ. ІІІ.	नाट्यांश उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (ii) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं नि - 'I. (i) HI. (i	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोद सान् प्रश्नान् ोजिए— Read the extract नृ दिवसे मया रोहितमत्स्यः ख वर्ष प्राप्तम्। अयम् अस्य आ इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुः न उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? कर्मय अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र ग्रेम उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र ग्रेम उत्तरत— कस्य अभ्यन्तरे अङ्गुलीयकं प्र ग्रेम उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? —कार्यम्— चत्वा लिखता (i) वद्धः रोहितमत्स्यः (ii) उद्दशः ग्रेम पठत अधोदत्तान् प्रश्नान् ोजिए— Read the extract — जानुकः। अस्य शरीर	स्तात्, (घ) में कत-अश्यार च उत्तरत। (⁻ and answer ण्डशः कृतः। त गमजृतान्तः। पश् चत वा। । । । । । । । । । । । । । । । । । ।	पत्राणि पत् पत्रात् अथवा मेघेभ्यः, (हार्याश पिढ्ए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ स्थां दिने स्थां पिढ्ए और निः सार्याश पिढ् और निः पिढिए और निः पिढि और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां अतः निःसंशर्	ङ) वृक्षात्। ज्वित्वित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् यातः अहम् आध्या व विक्रयाय आगतः।, प्नितिखित प्रश्नों के stions.) यम् अयं मत्स्यमारकः
(1) І. ІІ. ІІІ.	नाट्यांश् उत्तर र्द एकस्मि- अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदे- (ii) पूर्णवाव थीवरः भाषिक भाषिक गर्यां रि - I. (i) HI. (i नाट्यांश्	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञण्— Read the extract वृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुः व उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? करय अभ्यत्तरं अङ्गुलीयकं प्र स्मेन उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरं अङ्गुलीयकं प्र स्मेन उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चला लिखत। (i) वद्धः रोहितमत्स्यः (ii) उद्दस्य, रो पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञण— Read the extract — जानुकः। अस्य शरीर एव। परंतु अस्य शरीर	स्तात्, (घ) में क्ता-अभ्यास् च उत्तरता (⁻ and answer ण्डश: कृत:। त गमवृत्तान्त:। पश् चत वा। II. धीवर: रत् च उत्तरत— (' and answer तृ मांसस्य गंध:	पत्राणि पत् पत्रात् अथवा मेघेभ्यः, (हाः ग्रित्याश पिढ्ए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ शोपितस्य अङ्गुलीयकस्य ग्रिट्यांश पिढ्ए और निः the following ques	ङ) वृक्षात्। ज्वित्वित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् यातः अहम् आध्या व विक्रयाय आगतः।, प्नितिखित प्रश्नों के stions.) यम् अयं मत्स्यमारकः
(1) І. ІІ. ІІІ.	(क) तडा जतार र्द एकस्मिन अङ्गुलीय गृहीतः। एकपदेन (ii) पूर्णवाव धीवरःः भाषिक पर्यायं नि - 'I. (i) HI. (i नाट्यांश् उत्तर र्द रुयालः	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञाप Read the extract वृ दिवसे मया गेहितमस्य खाइदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुव न उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र येन उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र येन उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र येन उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरे अङ्गुलीयकं प्र येन उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चल्वा लिखत। (i) बद्धः गेहित्तमस्यः (ii) उद्दास्य,) निरुद्धः (ii) दिवसे गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् गं पठत अधोवत्तान् अस्य शरीय एव। परंतु अस्य ।	स्तात्, (घ) में क्ता-अभ्यास् च उत्तरता (⁻ and answer ण्डश: कृत:। त गमवृत्तान्त:। पश् चत वा। II. धीवर: रत् च उत्तरत— (' and answer तृ मांसस्य गंध:	पत्राणि पत् पत्रात् अथवा मेघेभ्यः, (हार्याश पिढ्ए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ स्थां दिने स्थां पिढ्ए और निः सार्याश पिढ् और निः पिढिए और निः पिढि और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां अतः निःसंशर्	ङ) वृक्षात्। ज्वित्वित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् यातः अहम् आध्या व विक्रयाय आगतः।, प्नितिखित प्रश्नों के stions.) यम् अयं मत्स्यमारकः
(1) I. II. III.	नाट्यांश्र उत्तर र्द एकस्मिन अङ्गलीय गृहीतः। एकपदेन (ii) पूर्णवाव धीवरः भाषिक पर्यायं नि - I. (i) नाट्यांश्र उत्तर र्द श्र्यालः	गात्, (ख) अश्वात्, (ग) वि अतिरिः गं पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञण्— Read the extract वृ दिवसे मया रोहितमत्त्यः ख इदं श्रुत्वा मां मारयत वा मुः व उत्तरत— कः खण्डशः कृतः? करय अभ्यत्तरं अङ्गुलीयकं प्र स्मेन उत्तरत— कस्य अभ्यत्तरं अङ्गुलीयकं प्र स्मेन उत्तरत— कस्य विक्रयाय आगतः? -कार्यम्— चला लिखत। (i) वद्धः रोहितमत्स्यः (ii) उद्दस्य, रो पठत अधोवत्तान् प्रश्नान् विज्ञण— Read the extract — जानुकः। अस्य शरीर एव। परंतु अस्य शरीर	मलात्, (घ) में स्ति-अभ्यास् च्य उत्तरता (न् and answer ण्डशः कृतः। त गमवृतानः। पर चत वा। II. धीवरः रल च उत्तरत (' and answer q गंसस्य गंधः मृङ्ग्लीयक-प्राणि	पत्राणि पत् पत्रात् अथवा मेघेभ्यः, (हार्याश पिढ्ए और निः the following ques स्य उदरस्य अध्यन्तरे म् चात् तस्य विक्रयाय अ स्थां दिने स्थां पिढ्ए और निः सार्याश पिढ् और निः पिढिए और निः पिढि और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां पिढ् और निः सर्वां अतः निःसंशर्	ङ) वृक्षात्। ज्वित्वित प्रश्नों के stions.) या इदं रत्नशोभितम् यातः अहम् आध्या व विक्रयाय आगतः।, प्नितिखित प्रश्नों के stions.) यम् अयं मत्स्यमारकः

II,	पूर्णवाक्येन उत्तरत–				
	(i) का विचारणीया?				
	(ii) राजकुले कि भविष्यति?				
III.					
	1. 'अस्य शरीरात् मांसस्य गंधः f	नि:सरति' इति वाव	येक:कर्त	?(अस्य, मांसस्य, गंध:)	
	2. 'राजकुलं गच्छाम:' अत्र कर्मण	ग्दम् किम्?			
	 'तत्रैव' अत्र द्वे अव्ययपदे के? 	(तत्र, ऐव; व	तत्र. एवः त	. त्रैव)	
	4. यथानिर्देशं रिक्तस्थानानि पूरयत				
	7100 ·		£		
	(i) शरीरात्	(ाद्ववचन)	'''''(बहुवचन)	
	(ii) गंध:	(द्विवचन)	(बहुवचन)	
	(iii) """ (एकवचन)	(द्विवचन)	गच्छाम:।	
	(iv) भविष्यति	(द्विवचन)	(बहुवचन)	
	 (i) 'धीवर:' इति पदस्य पर्या 				
	(ii) विपर्यायम् चित्वा लिखतः		` <u>.</u>		
उत्तरम्	- I. (i) धीवरस्य।	NIA(IIII)			
	(ii) मत्स्यमारकः				
	II. (i) धीवरस्य अङ्गलीयकस्य	पाप्ति- विचारणीया	1		
	(ii) राजकुले सत्यस्य निर्णय			उत्यं वदति न वा इति अस्य	
	निर्णय: राजकुले भविष्य				
	II. 1. गंध:, 2. राजकुलम्, 3. त				
	4. यथानिर्देश रिक्तस्थानानि पू				
	` (i)	शरीराभ्याम्	शरीरेभ्य	ı.	
	(ii)				
		गंधौ	गन्धाः		
	(iii) गच्छामि	गच्छाव:			
	(iv)	भविष्यत:	भविष्य	न्त	
	5. (i) मत्स्यमारक:, (ii) f	ने:सरति			
(3)	मञ्जूषायाः सहायतया अनुच्छेदं '	पूरयत। (मञ्जूषा	की सहायता	। से अनुच्छेद पूरा कीजिए।	
	Complete the paragraph wit	h help from th	e box.)		
	श्रुत्वा विक्रयाय, रतनशोभितम्, रो	हेतमत्स्यः, मुञ्चतः,	. उदरस्य		
		LearnC	RSE i	n	
糖	संस्कृतVI	Learne	ا. ــان ط		
उत्तरम् (4) उत्तरम्- (5)	questions.) (i) धीवरेण अङ्गुलीयकम् कुत्र (ii) धीवरः कस्य निवासी आर (iii) धीवरः किमर्थम् आगळ्वा (iv) धीवरः किमर्थम् आगळ्वा (v) धीवरः शत्रातित् कस्य (ii) धीवरः शत्रातित् कस्य (ii) धीवरः भत्रविक्रयेण कि (iii) धीवरः शङ्गुलीयकस्य विक्र (iii) धीवरः अङ्गुलीयकस्य विक्र (iv) धीवरः अङ्गुलीयकस्य विक्र (iv) धीवरः अङ्गुलीयकस्य विक्र (iv) धीवरः मत्स्यविक्रयेण कुटु भिन्त्रभूकृतिकं पदं चिनुता (भिन्त to a different category) (ii) अहम्, मया, तव, इत्म्, ः (ii) प्व, तत्र, अतः, नृतः, ना (iii) करोमि, निःसरित, प्राप्तिः, (ii) साधनम्।	नाः नाः नाः निक्रयायः श्रुत्वा, विक्रयायः श्रुत्वा, विक्रयायः श्रुत्वा, विद्यायम् विद	मुञ्चत। उत्तर लिखिए कम् प्राप्तम्। ।	— Answer the following	
	(ii) कृत:। (iii) प्राप्ति:।				
	· Process	वकल्पीयप्रश्नाः	1		
1-1			1		
(1)	उचितं विकल्पं चित्वा वाक्यपूर्ति	75.0		कर वाक्यपूति कीजिए। Pick	
	out the correct option and or (क) (i) **********************************			वार:, परिवारेण, परिवारस्य)	
	(ii) सदस्याः। (ii) समीपे।		(414	(गृहम्, गृहे, गृहस्य)	
	(iii) रथ:।		1	अर्जुनम्, अर्जुनस्य, अर्जुनः)	
	(iv) प्रतः।		,	(गङ्गस्य, गङ्गया, गङ्गाया:)	
	(v) ····· नेता।			(देश:, देशम्, देशस्य)	
उत्तरम्-	(i) परिवारस्य (ii) गृहस्य (iii) अर्जुनस्य <i>(</i>	iv) गङ्जाय		
		LearnC	BSE.i	प्रहेगुलीयकं प्राप्तम् 🚳	

(खा) (i) बालक: """ बहि: खेलित।	(गृहम्, गृहेण, गृहात्)
(ii) स: आगच्छति।	(विदेश:, विदेशात्, विदेशम्)
(iii) महिला जलम् आनयति।	(कूपः, कूपम्, कूपात्)
(iv) अम्बा फलानि आनयति।	(आपणात्, आपणम्, आपणस्य)
(v) नदी नि:सरति।	(पर्वत:, पर्वतात्, पर्वतम्)
उत्तरम् – (i) गृहात् (ii) विदेशात् (iii) कूपात्	(iv) आपणात् (v) पर्वतात्
(2) उचितं-विकल्पं चित्वा एकपदेन प्रत्येकं प्रश्नम् उ में प्रश्नों का उत्तर दीजिए। Pick out the corn answers.)	
(i) धीवरेण कीदृशम् अङ्कुलीयकं प्राप्तम्?	(विशुद्धम्, रत्नशोभितम्, निःसंशयम्)
(ii) धीवर: मत्स्व्यविक्रयेण परिवारस्य किं करोति?	(भरणम्, साधनम्, दानम्)
(iii) सः कस्य विक्रयाय अगच्छत्? (रोहितमत्स्यस्य, मांसस्य, अङ्गलीयकस्य)
(iv) राज्ञ: नाम कस्मिन् उत्कीर्णम्?	(मध्ये, अभ्यन्तरे, अङ्गुलीयके)
(v) रक्षकाभ्याम् कः गृहीतः?	(श्याल: मत्स्यमारक:, रोहितमत्स्य:)
उत्तरम् - (i) रत्नशोभितम्	
(ii) भरणम्	
(iii) अङ्गुलीयकस्य	
(iv) अङ्गुलीयके	
(v) मत्स्यमारक:	000

≋ संस्कत-∨। LearnCBSE.in

******* END *******